वार्तालाप-596, काठमांडू (नेपाल), दिनांक 06.07.08
Disc.CD No.596, dated 06.07.08 at Kathmandu (Nepal)
Extracts-Part-1

समयः 01.23-02.11

जिज्ञासुः बाबा, ये अभी जो कलंकी अवतार बताया ना ये 18 में संगमयुगी कृष्ण का प्रत्यक्षता होगा उसके पहले होगा या बाद में कलंकी अवतार पार्ट बजाएगा?

बाबाः कलंक पहले लगते हैं या बाद में लगते हैं प्रत्यक्ष होने के बाद? (जिज्ञासुओं ने कहा-पहले।) प्रत्यक्षता हो गई फिर कलंक काहे के? अभी कलंक लग रहे हैं। अभी घड़ी-घड़ी निश्चय घड़ी-घड़ी अनिश्चय पैदा होता है। अभी निश्चय-अनिश्चय का चक्र अभी चल रहा है कि आगे चलता है ही रहेगा हमेशा? अभी चलता है। निश्चय-अनिश्चय का चक्र बंद हो जाएगा तो आत्मा सम्पन्न हो जाएगी।

Time: 01.23-02.11
Student: Baba, will the incarnation of Kalanki mentioned just now take place before the revelation of the Confluence Age Krishna in 2018 or after that?
Baba: Is he disgraced before or later, after being revealed? (Students said: before [revelation].) Why will he will be disgraced after the revelation takes place? He is being disgraced **now**. Now they have faith and doubt every moment. Is the cycle of faith and doubt going on now or will it continue like this forever? It happens **now**. When the cycle of faith and doubt stops, the soul will become complete.

समयः 05.54-10.26

जिज्ञासुः बाबा, सेवकराम ने संगमयुग में ऐसी कौनसी गल्ती की थी कि ब्रह्मा बाबा के घर नौकरी करनी पड़ी?

बाबाः ये बताओ, राम वाली आत्मा और कृष्ण वाली आत्मा। कृष्ण वाली आत्मा का राशि किससे मिलाई जाती है? (बहुतों ने कहा - क्राइस्ट से।) क्राइस्ट से, क्रिश्चियन्स से। क्रिश्चियन्स ज्यादा पतित बनते हैं या हिन्दू ज्यादा पतित बनते हैं? (जिज्ञासु - हिन्दू।) हिन्दू ज्यादा पतित बनते हैं। तो राम वाली आत्मा हिन्दू हुई या क्रिश्चियन्स हुई? (सभी ने कहा - हिन्दू।) तो पतित बनना चाहिए ना।

Time: 05.54-10.26
Student: Baba, what mistake did Sevakram commit in the Confluence Age that he had to serve at Brahma Baba's place?
Baba: Tell [Me], the soul of Ram and the soul of Krishna... With whom is the horoscope of the soul of Krishna matched? (Many said: with that of Christ.) [It is matched] with that of Christ, the Christians. Do the Christians become more sinful or do the Hindus become more sinful? (Student: Hindu.) Hindus become more sinful. So, is the soul of Ram a Hindu or a Christian? (Everyone said: Hindu.) So, he should become sinful, shouldn't he?

सीढ़ी के चित्र में देख लो। कोई नई बात थोड़े ही है। कौन पड़ा हुआ है कांटों की शैया पर और कौन खड़ा हुआ है? बाजू में ही देख लो। (जिज्ञासु - राम वाली आत्मा।) राम वाली आत्मा पड़ी हुई है और कृष्ण वाली आत्मा फिर भी पुरुषार्थ में खड़ी हुई है। तो कौन ज्यादा नीचे गिरता है? (सभी - राम वाली आत्मा।) राम वाली आत्मा नीचे गिरती है। तो ड्रामा प्लैन अनुसार सही गिरती है या गलत गिरती है? (सबने कहा - सही।) और फिर ऊपर देखो, सीढ़ी के ऊपर। ज्यादा ऊँचा कौन उठता है? (कईयों ने कहा - राम वाली आत्मा।) राम वाली आत्मा ऊँची उठती है या कृष्ण वाली आत्मा ज्यादा ऊँची उठती है? (सभी - राम वाली आत्मा।) राम वाली आत्मा ज्यादा ऊँची उठती है। तो ये तो चलता ही है। जो फर्स्ट सो लास्ट। जो लास्ट सो फर्स्ट होता है। तो आप क्या चाहते हैं?

Look in the picture of the Ladder; it is not something new. Who is lying on the bed of thorns and who is standing? Look [at the picture] besides you. (Student: The soul of Ram.) The soul of Ram is lying down and the soul of Krishna is still standing in making *purushaarth* (spiritual effort). So, who experiences downfall more? (Everyone said: The soul of Ram.) The soul of Ram experiences downfall. So, is it right or wrong for him to experience downfall as per the *drama plan*? (Everyone said: It is right.) And then look above; above in the Ladder. Who rises high more? (Many said: The soul of Ram) Does the soul of Ram rise higher or does the soul of Krishna rise higher? (Everyone said: The soul of Ram.) The soul of Ram rises higher. So, this goes on. The one who is *first* comes at the *last*. The one who is at the *last* comes *first*. So, what do you want? ☺

जिज्ञासुः नहीं, ऐसी कौनसी गल्ती की थी बाबा?
बाबाः कौनसी गल्ती की? ये गल्ती की क्या बात है? गल्तियाँ तो आदमी से होती ही रहती हैं। जो आदमी पत्थरबुद्धि बनेगा तो गल्तियों की क्या शुमार? जो लिंग पहले हीरे का लिंग था, शिवलिंग में क्या जड़ा हुआ था? हीरा जड़ा हुआ था। वो हीरे का लिंग बदल करके स्वर्ण लिंग बना। सतोप्रधान, सतोप्रधान से सतोसामान्य, रजतलिंग बना। चांदी का। फिर वो ही लिंग? ताम्र लिंग बना। फिर ताम्र लिंग से नीचे आकर? पत्थर का बन गया। लोहे का बन गया। वो तो नीचे गिरना होता ही है। बाकी कोई कम नीचे गिरते हैं कोई पूरा ही नीचे गोता लगाते हैं। अब जो जितना नीचे जाएगा उतना ऊपर भी? आलराउंड पार्ट बजाना अच्छा है या अधूरा पार्ट बजाना अच्छा है? (सभी ने कहा - आलराउंड पार्ट।) तो क्यों का सवाल का जवाब क्या हुआ? (किसीने कहा - ऑलराउण्डर।) हाँ, जिसने अंत किया उसने सब कुछ किया। ब्रह्मा वाली आत्मा तो शरीर पहले ही छोड़ गई। अंत किया क्या? (किसीने कहा - नहीं।) अंत तो किया ही नहीं। तो मजा क्या आया जिंदगी का? जिंदगी का मजा तो तब है जबकि सारे संस्कार 84 जन्मों के, पूरे चक्कर के संस्कार भरे हुए हों। तो कहेंगे आत्मा पावरफुल है। जो ज्यादा दु:ख भोग सकता है वो ज्यादा? सुख भी भोग सकता है।

Student: Baba, what is the mistake that he committed?
Baba: What mistake did he commit? What is the question of mistake [in this]? A human being keeps committing mistakes. For a person who becomes the one with a stone like intellect, there

is no limit of mistakes. The *ling* which was a diamond *ling* earlier - what was embedded in the *Shivling*? A diamond was studded - That diamond *ling* changed into golden *ling*. [First it was] *satopradhaan* (consisting in the quality of goodness and purity), it changed from *satopradhaan* to *satosaamaanya* (where there is ordinary goodness and purity), a *rajatling* [meaning, the *ling* made] of silver. Then, the same *ling* became a *taamraling* (copper *ling*). Then it degraded from a copper *ling* [and became what]? It became a stone *ling*; it became a *ling* made of iron. That downfall is bound to happen. However, some experience lesser downfall [and] some experience a complete downfall. Now, the one who experiences more downfall will rise high to that extent. Is it good to play an *all round part* or an incomplete *part*? (Everyone said: All round part.) So, what is the answer to the question 'why'? (A student: All round actor.) The one who brought about the end did everything. The soul of Brahma already left its body. Did it bring about the end? It did not bring about the end at all. So, what is the enjoyment in the life? There is enjoyment in the life when all the *sanskaars* of the 84 births, of the entire cycle are recorded [in the soul]. Then it will be said that the soul is *powerful*. The one who can experience more sorrow can experience more happiness as well.

लेकिन मुख्य बात ये है, उनका नौकर बनना कोई खराब बात नहीं है। खराब बात ये है कि आखरी जन्म में आ करके सच्चाई को तो नहीं छोड़ा? भले हीरों की दुकान दोनों की थी। लेकिन झूठा धंधा कौन करता था और सच्चा धंधा कौन करता था? (जिज्ञासु - ब्रह्मा बाबा झूठा धन्धा...) ब्रह्मा बाबा झूठा धंधा करते थे। बड़े-2 राजाओं के घर में घुस जाते थे और बढ़िया डब्बी में भरके दे आते थे खोटा माल ☺। और वो भागीदार? भागीदार सच्चा धंधा करता था। ईमानदारी का धंधा करता था इसलिए आज की दुनिया में कौनसा धंधा पनपता है? झूठा धंधा पनपता है और सच्चा धंधा? नहीं पनपता है। तो श्रेष्ठ कौन हुआ और भ्रष्ठ कौन हुआ? (किसीने कहा - सच्चा धन्धा श्रेष्ठ हुआ।) जो राम वाली आत्मा है उसने सच्चा धंधा तो किया। चलो नौकर बनना पड़ा, ये क्या बड़ी बात हो गई? (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) हाँ, जी-2। नौकर बनना पड़े, फिर गुरु कौन बना? (सभी ने कहा - वही।) ☺

But the main thing is that... it is not a bad thing to become his servant. The bad thing is... at least he did not leave truth in his last birth. Although, both had diamond shop but who used to do a false business and who used to do the business truthfully? (Student: Brahma Baba did false business.) Brahma Baba used to do false business. He used to enter the houses of big kings and he used to fill and give false items in fine boxes☺. And what about that partner? The partner used to do the business truthfully. He used to do the business honestly. This is why, what kind of business prospers in today's world? False business prospers and the true business does not prosper. So, who is elevated and who is unrighteous? (Student: the true business is elevated.) The soul of Ram at least did the business truthfully. OK, he had to become a servant [then], what is the big deal? (The student said something.) Yes. He had to become a servant, [but] then who became the guru [of Brahma Baba]? (Everyone said: He himself became the guru.) ☺☺☺. ... (to be continued.)

Extracts-Part-2

समयः 10.27-16.25

जिज्ञासुः बाबा ब्रह्मा बाबा ने पहले अपने दीदी को सुनाया कि एक और माता थी उसको सुनाया अपने साक्षात्कारों के बारे में?

बाबाः ब्रह्मा सो विष्णु। जो आदि में सो अंत में। सृष्टि की जब आदि हुई तो वास्तव में विष्णु स्वरूप कौन था पहले-पहले? (जिज्ञासु - पता नहीं।) क्यों आपको पता क्यों नहीं? जब सृष्टि की, नई सृष्टि की शुरुआत हुई नई दुनियां की शुरुआत हुई तो नई दुनियां में पहले-पहले विष्णु स्वरूप कौन बना?

जिज्ञासुः दो माताएं थी। दो माताओं में कौन था पता नहीं।

बाबाः वो आप तो संगमयुग की बात कर रहे हैं। हम नई सृष्टि की बात कर रहे हैं। सतयुग के आदि में तो पहले दो आत्माएं कौनसी थी जो पहले विष्णु बनती हैं? (जिज्ञासु - ब्रह्मा बाबा और सरस्वती।) ब्रह्मा बाबा (और) सरस्वती पहले विष्णु बनती हैं? लक्ष्मी-नारायण बन जाते हैं? (जिज्ञासु - नहीं।) वो बाद में लक्ष्मी-नारायण बनेंगे या पहले बनेंगे? (जिज्ञासु - बाद में।) तो पहले कौन बनेंगे? (जिज्ञासु - राम वाली आत्मा।) बुद्धि ढ़ुरी हुई है अभी भी।

Time: 10.27-16.25
Student: Baba, did Brahma Baba narrate about his visions to his elder sister (*didi*) first or to the other mother?
Baba: Brahma becomes Vishnu. Whatever happens in the beginning happens in the end [as well]. When the world began, who was the form of Vishnu in reality first of all? (Student: I don't know.) Why? Why don't you know? When the world, the new world began, then who became the form of Vishnu in the new world first of all?
Student: There were two mothers. I don't know which of these two mothers was involved.
Baba: You are speaking about the Confluence Age. I am speaking about the new world. In the beginning of the Golden Age, which were the first two souls that become Vishnu first of all? (Student: Brahma Baba and Saraswati.) Do Brahma Baba and Saraswati become the first Vishnu? Do they become Lakshmi Narayan? (Student: No.) Will they become Lakshmi-Narayan later on or first? (Student: Later.) So, who became [that] first? (Student: The soul of Ram.) Your intellect's inclination is still [towards Brahma]. ☺

राम-कृष्ण वाली आत्माओं में से जो राम वाली आत्मा है वो सृष्टि की आदि में पहले-पहले-2 विष्णु बनती है, पहला नारायण वो बनती है संगमयुगी नारायण। संगमयुगी नारायण पहला या सतयुगी नारायण पहला? संगमयुगी नारायण। नई दुनियां का पहला-पहला नारायण जो बनेगा वो ही फिर अंत में जा करके, जो आदि सो अंत बनेगा या नहीं बनेगा? अंत में बनेगा। माने वो एक युगल ऐसा था जिनके संस्कार आपस में मिले हुए थे। तो संस्कार आपस में मिले हुए हों तो एक दूसरे को दिल की बात बताते होंगे कि नहीं बताते होंगे? (जिज्ञासु - बताते होंगे।) तो सबके सामने नहीं बताया। पहले-पहले उसे बताया। दूसरों ने भल सुना हो। जिसने सुना हो वो जगदम्बा बच्ची कही जाती है। जगदम्बा को क्या कहा जाता है? बच्ची कहा जाता है।

Between the souls of Ram and Krishna, the soul of Ram becomes Vishnu first of all in the beginning of the world. It is he who becomes the first Narayan, the Confluence Age Narayan. Is the Confluence Age Narayan first or is the Golden Age Narayan first? The Confluence Age Narayan. The one who becomes the first Narayan of the new world, will he himself become that again in the end or not [as per the rule] whatever happens in the beginning happens in the end [as well]? He will become [that] in the end. It means, that one couple was such whose *sanskaars* matched with that of each other. So, if their *sanskaars* were matched with each other, would

they be sharing the secrets of the heart with each other or not? (Student: they must be sharing.) So, he did not narrate in front of everyone. He narrated to her first of all. Although the others must have heard. The one who heard [it] is called the daughter Jagdamba. What is Jagdamba called? She is called the daughter.

बाकी ये होता है सुनने समझने वाले अलग होते हैं। और सुन करके बोलने वाले अलग होते हैं। कोई बोलते बहुत हैं। समझते कम हैं। कोई समझते ज्यादा हैं। समझ लेते हैं अन्दर से। लेकिन बोलते नहीं हैं। अब दोनों माताओं में से कौनसी माता हो सकती है जो बोलने वाली थी? आज की दुनियां में बोलने वालों का ज्यादा महत्व है या समझने वालों का ज्यादा महत्व है? (जिज्ञासु - बोलने वालों का।) जो भी समझदार तबक्का है हिन्दुस्तान का, पढ़ा लिखा, वो सारा आज विदेश में जा रहा है कि भारत देश में रहता है? उसकी कोई वेल्यु नहीं है भारत में। और जो बोलने वाले हैं वो बोलने वाले भारतवर्ष में बहुत देखे जाते हैं। बिनु वाणी बख्तावर जोगी। वो तो शिवबाबा का गायन है। वाणी नहीं चलाता है। उसको अपना मुख ही नहीं है। दूसरे का मख लेकर के वाणी चलाता है।

As for the rest it happens that those who listen and understand are different and those who listen and speak are different. Some speak a lot [but] understand less. Some understand more…. They understand from within but they do not speak. Well, between both the mothers, which mother must be speaking [more]? In today's world is more importance accorded to those who speak [more] or is more importance accorded to those who understand? (Student: those who speak.) Is the intelligent section of India, which is well educated, going to foreign countries or does it live in India? They do not have any value in India. And those who speak [more] can be seen in large numbers in India. It is famous about Shivbaba: *binu vaani bakhtaawar jogi* (He is an ascetic who speaks a lot without a mouth). He does not speak. He does not have His own mouth at all. He uses others' mouth to speak.

दूसरा जिज्ञासुः बाबा, उसी में से दो माताओं में से एक मुरली में बोला एक माता तो पहले से थी और एक माता बाद में गुप्त में थी।
बाबाः गुप्त में थी? क्यों? कलकत्ते में तो दो-दो माताएं रखते थे। एक को दूसरा घर बना के देते थे। एक अपना, अपने घर की माता अपने घर में रहती थी।

Another student: Baba, it has been said in a murli that between those two mothers, one mother was from the beginning itself and the other mother came later in a hidden form.
Baba: She was in a hidden form? Why? People used to keep two wives in Calcutta. They used to build another house for one of them. The actual mother (wife) used to live in his (husband's) house.

दूसरा जिज्ञासुः जो दूसरी माता बताया, वो दूसरी माता किसको जगदम्बा को या वैष्णवी देवी को?
बाबाः अरे, आखरी जन्म में विष्णु का रूप जो पार्ट बजाने वाली होगी वो भारत माता होगी या जगतमाता होगी? भारत माता शिव शक्ति अवतार अंत का ये ही नारा है। रास्ते से डिगने वाली जगतमाता का पार्ट होगा या भारत माता का पार्ट होगा? (जिज्ञासु - भारत माता।) भारत माता का डिगने वाला पार्ट होगा? (जिज्ञासु - जगदम्बा।) जगदम्बा का पार्ट हो सकता है क्योंकि वो तो

ढ़ुरी हुई है। उसकी बुद्धि झुकी हुई है, इस्लामियों की तरफ भी झुकी हुई है, वो भी उसके बच्चे हैं। बौद्धियों की तरफ भी झुकी हुई है, वो भी उसके बच्चे हैं। क्रिश्चियन्स की तरफ भी झुकी हुई है, वो भी उसके बच्चे हैं। सब उसकी गोद में पलते हैं। सब उसकी गोद के ऊपर अधिकार जमाते हैं। दिल्ली के ऊपर... कोई धर्म ऐसा है जिसने दिल्ली के ऊपर अपना अधिकार न जमाया हो? दिल्ली माता है। वो ऐसी माता है जिसके ऊपर सब धर्मों ने अपना कब्जा किया है।

Another student: Was the other mother Jagdamba or Vaishnavi Devi?
Baba: *Arey*, will the one who plays the part of Vishnu in the last birth be Bharat Mata (Mother India) or Jagatmata (World Mother)? *Bharat Mata Shiv Shakti Avataar* this is the very slogan of the end. Will the *part* of wavering from the path be played by *Jagatmata* or by *Bharat Mata*? (Student: *Bharat Mata.*) Will *Bharat Mata* play the *part* of wavering? (Student: Jagdamba.) It can be the part of Jagdamba because she is inclined. Her intellect is inclined; it is inclined towards the people of Islam; they are her children. She is inclined towards the Buddhists as well; they are her children, too. She is inclined towards the Christians as well; they are her children, too. Everyone receives sustenance in her lap. Everyone claims his right over her lap. Over Delhi… Is there any religion which has not claimed its right over Delhi? Delhi is the mother. She is such a mother whom [the people of] all the religions have taken under their control.

दूसरा जिज्ञासुः तो फिर सुनने-सुनाने के निमित्त वही माता बनी क्या?
बाबाः लंबी जीभ जो होगी वो भक्तिमार्ग वालों की होगी या ज्ञानमार्ग वालों की होगी? (जिज्ञासु - भक्तिमार्ग।) लंबी जीभ किस बात की निशानी है? ज्यादा बोलने की निशानी है। तो कौनसी देवी है जो ज्यादा बोलने वाली दिखाई गई है? उसके सामने कोई टिक ही नहीं सकता। ब्रह्माकुमारियों की तो बात ही छोड़ो, दीदी, दादी, दादीयों की। एडवांस पार्टी में भी कोई ऐसी नहीं है जो वाचा में उससे जीत जाए। होगी? नहीं होगी। वो महाकाली है। वो सबकी बलि लेने वाली है। वाचा में उसको कोई हराय नहीं सकता ज्ञान में।

Another student: So, did the same mother (Jagdamba) become instrument for listening and narrating?
Baba: Do the people following the path of *bhakti* have a long tongue or will those who follow the path of knowledge have a long tongue? (Student: the path of *bhakti*.) What does a long tongue indicate? It indicates speaking more. So, which *devi* (female deity) has been depicted as the deity who speaks more? Nobody can hold ground in front of her at all. Leave aside the topic of the Brahmakumaris, of the *didis* and *dadis*. There is nobody in the advance [party] who can gain victory over her in speech either. Will there be anyone? There will not be anyone. She is Mahakali. She will have everyone sacrificed. Nobody can defeat her in speech, in knowledge.

समयः 17. 02-17. 54
जिज्ञासुः बाबा, शंकराचार्य ने कब कहा कि पांच-पांच शादियाँ करो, दो शादियों करो?
बाबाः अभी भी कह रहे हैं।
जिज्ञासु: कह रहे हैं?
बाबा: हाँ, मुसलमानों की, क्रिश्चियन्स की संख्या हिन्दुस्तान में बढ़ती जा रही है। तो हिन्दुओं का वर्चस्व कम होता जा रहा है। वोटिंग उनको कम मिलती है। मुसलमानों की ज्यादा तादाद

होने से कांग्रेस पार्टी जीतती चली जाती है। तो उनकी बुद्धि ऐसी घूम गई कि ज्यादा शादीयां करेंगे हिन्दू लोग तो ज्यादा बच्चे पैदा होंगे। ज्यादा बच्चे पैदा होंगे तो जेनरेशन बढ़ेगी। उल्टी बुद्धि हो जाती है। अरे, शेर जैसा एक बच्चा अच्छा या गधेड़ों जैसे ढेर सारे पैदा हो जाएं वो ज्यादा अच्छे? (सभी ने कहा - शेर जैसा एक बच्चा।) फिर?

Time: 17. 02-17. 54
Student: Baba, when did Shankaracharya say that you should marry five times or twice?
Baba: They are saying that even now.
Student: Are they saying that?
Baba: Yes. The number of the Muslims [and] the Christians is increasing in India. So, the dominance of the Hindus is decreasing. They get fewer votes. Because the population of the Muslims is more the Congress Party continues to win. So, their intellect turned in this way that if the Hindus marry more, they will reproduce more. If they give birth to more number of children, their *generation* (population) will increase. Their intellect becomes opposite. *Arey*, is it good to have one lion like child or is it good if numerous donkey like children are born? (Everyone said: one child like a lion [is good].) Then? … (to be continued.)

Extracts-Part-3

समयः 17.58-19.30

जिज्ञासुः बाबा, कई सी.डी. में ऐसे बोला कि बाबा से ज्यादा प्रश्न करते हैं माना मुरली ध्यान से नहीं सुनते या समझते नहीं ज्ञान को। तो कई भाई-बहनों को अंदर-अंदर में क्वेश्चन उठते हैं लेकिन वो पूछते नहीं हैं। अबकी बार ज्यादा करके मोस्टली यही हो रहा है कि बाबा ने कई सी.डी. में बोला है कि प्रश्न पूछना माना मान लो बाबा के ऊपर निश्चय नहीं है, मुरली पर निश्चय नहीं है इसलिए प्रश्न पूछते है।

बाबाः लेकिन अव्यक्त वाणी में तो बोला है प्रश्न भी दो प्रकार से पूछने वाले होते हैं। एक ऐसे होते हैं अपनी जिज्ञासा को और दूसरों की जिज्ञासा को शान्त करने वाले और दूसरे ऐसे होते हैं डाउन करने के लिए, आपोजिशन करने के लिए। तो कौनसा प्रश्न करना अच्छा है? (सभी - जिज्ञासा शांत करने के लिए।) अपनी और दूसरों की जिज्ञासा शान्त हो जाए, उनके प्रश्नों का समाधान हो जाए, मुंझे हुए न रहें। वो तो अच्छी बात है। अपोजिशन करने के लिए प्रश्न पूछना वो खराब बात है। और कचड़ा तो कैसा भी हो अन्दर, प्रश्नचित्त का जो कचड़ा है वो अन्दर रखना अच्छा है या बाहर निकालना अच्छा है? (जिज्ञासु - बाहर निकालना।) कचड़ा अन्दर रखेंगे, नहीं पूछेंगे, अन्दर-अन्दर बढ़ता रहेगा, सड़ता रहेगा, प्रदूषण फैलाता रहेगा या खत्म हो जाएगा? प्रदूषण फैलाता रहेगा। बुद्धि को खराब कर देगा।

Time: 17.58-19.30
Student: Baba, it has been said in many CDs that if someone asks more questions , Baba thinks that this one does not listen to the murli attentively or that he does not understand the knowledge. Therefore, questions arise in the mind of many brothers and sisters but they do not ask. This is what is happening mostly at this time that [people think,] Baba has said that asking questions means there is lack of faith on Baba or lack of faith on murli this is why they ask questions.

Baba: But it has been said in the avyakt vani that those who ask questions are also of two kinds. One are those [who ask questions to] pacify their own curiosity (*jigyaasaa*) or others' curiosity. And the other are those [who ask questions to] pull someone *down*, to oppose [Baba]. So, it is good to ask which kind of question? (Everyone: [the question that is asked] to pacify curiosity.) Their own curiosity as well as others' curiosity should be pacified. They should get a solution to their question. They should not remain confused. That is indeed a good thing. It is a bad thing to ask questions to oppose [Baba]. And let it be any kind of dirt within, is it good to keep the dirt of questions inside the mind or is it good to take it out? (Student: It is good to take it out.) If you keep the dirt inside, if you do not ask [questions], will it keep increasing inside, rotting, will it spread pollution or will it end? It will keep spreading pollution. It will spoil the intellect.

समयः 19.33-20.40

जिज्ञासुः बाबा, जो संगठन में नहीं आते उन्हें बुलाना चाहिए या नहीं?

बाबाः प्योरिटी से युनिटी होती है।

दूसरा जिज्ञासुः दो-तीन महीना तक संगठन में नहीं आते।

बाबाः ये हमारे ऊपर आती है बात। हमारे अन्दर कोई प्योरिटी की कमी है इसलिए युनिटी नहीं बनती है। गीतापाठशाला के इन्चार्ज लोगों को तो ये बात उठानी ही नहीं चाहिए। क्या? कि भाई-बहन क्यों नहीं आते हैं? भारतवर्ष में प्योरिटी की कमी हो गई तभी तो दूसरे-दूसरे धर्मों में जाके कन्वर्ट हो गए। अगर भारतवासियों की प्योरिटी ज्यों की त्यों देवताओं जैसे मेनटेन बनी रहती तो दूसरे धर्मों में कन्वर्ट क्यों हो रहे हैं? प्योरिटी तो अपनी ओर आकर्षित करती है।

Time: 19.33-20.40
Student: Baba, should we call those who do not come to the *sangathan* (gathering) or not?
Baba: *Purity* brings *unity*.
Another Student: They do not come to the *sangathan* for two-three months.
Baba: This is our shortcoming. There is lack of *purity* in us; this is why the *unity* is not formed. The in-charges of the *gitaapaathshaalaas* should not raise this topic at all. What? That why don't brothers and sisters come? *Purity* decreased in India; this is why they converted to other religions. If the purity of the *Bharatwaasis* (the residents of India) remained maintained as it was, like the deities, then why are they converting to the other religions? *Purity* attracts towards itself.

समयः 20.42-23.40

जिज्ञासुः बाबा ने मुरली में बोला कि बाप भी कलंकीधर है तो बच्चे भी सारे क्या होंगे? अभी बाप कलंकीधर बन गया है, इस टाइम संगमयुग में कलंकीधर है, तो बच्चे भी नंबरवार क्या होंगे? कलंकीधर होंगे। लेकिन एडवांस में आते ही जब ऐसा होने लग जाता है तो मूँझ जाते हैं भाई बहन ।

बाबाः क्यों मूँझ जाते?

Time: 20.42-23.40

Student: Baba has said in the murli that when the Father is *kalankidhar* (the one who bears disgrace); so, what will all the children also be? Now, the Father has come as *kalankidhar* at this time in the Confluence Age; so what will the children also be number wise? They will be *kalankidhar*. But as soon as it starts happening like this after entering the advance [knowledge] the brothers and sisters become confused.
Baba: Why do they become confused?

जिज्ञासुः पहले ऐसा तो नहीं था, वैसा होने लगा। जब से भट्ठी करके आये हैं तब से रोग भी ज्यादा हो गये। बदनामी भी ज्यादा हो गई। पैसा भी खतम हो गया।
बाबाः और श्रीमत के बरखिलाफ चलना ज्यादा नहीं हो गया?
जिज्ञासुः इसीलिए ये ज्यादा मूँझ जाते हैं।
बाबाः नहीं। श्रीमत के बरखिलाफ चलना ज्यादा नहीं हो गया?
जिज्ञासुः ये तो चेकिंग अपनी हो तब न।
बाबाः अच्छा। श्रीमत के बरखिलाफ जितना चलेंगे उतनी अवस्था डाउन होती जाएगी। ऐसे भी तो हैं जिनकी अवस्था डाउन नहीं होती है। फिर? तो फालो किसको करना चाहिए? जिनकी अवस्था डाउन नहीं होती है उनको फालो करो।
जिज्ञासुः बाप के ऊपर ही इतने कलंक लग रहे हैं तो हमारे ऊपर भी इसलिए लग रहे हैं।
बाबाः लेकिन कलंक लग रहे हैं, परवाह कितनी करता है कौन? जिनके ऊपर कलंक लगे हैं, अगर अन्दर कमजोरी है तो परवाह करेगा - हाय, हमारे ऊपर कलंक लग गया। और चोर ने चोरी की ही नहीं है, तो दहाड़ेगा या परेशान होगा? (जिज्ञासु - कहने दो, बोलने दो।) हां, बोलने दो। प्रभावित होना माना प्रजा। दूसरा कोई कुछ कह देता है और हम प्रभावित हो गए, हमारी ग्लानी कर दी। हम तो मुँह दिखाने काबिल नहीं रहे। अब हम तो कहीं नहीं निकलेंगे। घर में बैठ जाएंगे। तो ये प्रभावित होना हुआ या नहीं हुआ? प्रभावित हो गए माने हम उसकी प्रजा बन गए।

Student: [They say:] it was not like this before [and] now it has started happening like this; ever since we have returned from *bhatti*, diseases have increased, defamation has also increased. The money has also exhausted
Baba: And did they not violate the *shrimat* more?
Student: They become more confused.
Baba: No. Have they not violated the *shrimat* more?
Student: [They will know this] when they check themselves.
Baba: *Acchaa*. The more you violate *shrimat*, the more your stage will go *down*. There are such ones also whose stage does not go *down*. Then? So, who should you *follow*? You should *follow* those whose stage does not go *down*.
Student: The Father is disgraced so much, therefore, we are also disgraced.
Baba: He is disgraced more but [it matters] who cares [about it] to what extent. If the one who is disgraced has a weakness within, then he will worry, "Oh, I am being disgraced". And if a thief has not stolen anything at all, will he roar or will he worry? (Student: Let him say, let him speak.) Yes, let them speak. To become influenced means to become a subject. If a person says something and we become influenced [thinking:] he defamed me, I am no more worth to show

my face [to the people]. Now, I will not go out anywhere. I will sit at home. So, is this being influenced or not? If we become influenced it means that we became his subject.

जिज्ञासुः उनकी गालियों से जो मन दुखाया या फीलिंग किया...
बाबाः तो हम उनकी प्रजा बन गए ना। (जिज्ञासु - प्रजा बन गये।) फिर?
जिज्ञासुः जैसे अभी एडवांस का ज्ञान देते हैं तो ब्रह्माकुमारीज़ का डर लगता है कि जेल में डाल देंगे या अखबारों में छपवा देंगे या हमारे घर के ऊपर भी अटैक करेंगे।
बाबाः जो भी करें। जब मुरली में बोल दिया तुम बच्चे आये हो जान हथेली पर लेकर। बाबा, ये लो। सर हथेली पर लेकर आए हो।
दूसरा जिज्ञासुः पूरा बलि चढ़ना है।
बाबाः देखो। नेपाल में तो घर-घर में छुरी चलाना सिखाया जाता है बलि चढ़ाने के लिए।
जिज्ञासुः खुखरी बाबा।
बाबाः खुखरी, हाँ। कुछ नहीं मार सकते तो मुर्गी तो मारो।☺
जिज्ञासु: आसान है।

Student: Their abuses gave pain to our mind or we feel sad...
Baba: Then, we became their subjects, didn't we? (Student: we became subjects.) Then?
Student: For example, now, when they give the advance knowledge, they fear the Brahmakumaris that they will put them in jail or they will publish [bad things about them] in the newspaper or that they will *attack* their house.
Baba: Let them do anything. When it has been said in the murli: you children have come with your life on your palm (risking your life); [you say:] Baba, take this (Baba is showing by bringing his hand forward). You have come with your head on your palm.
Another student: You have to sacrifice completely.
Baba: Look. In every home in Nepal, people are taught to use the dagger to offer sacrifice [to the deities].
Another student: Baba [it is called] *khukhri*.
Baba: *Khukhri*. Yes. If you cannot kill anything, at least kill a hen☺. ... (to be continued.)

Extracts-Part-4

समयः 23.47-25.35

जिज्ञासुः और किसी के मन में ये भी.... जैसे बाबा की मुरली में कई प्वाइंट्स होते हैं तो उसका उल्टा अर्थ भी लग रहा है। जैसे मान लो बाबा ने कहा है कि बाबा तो पतित को ही पावन बनाता हैं। तो पहले पतित बनेंगे तब ही तो पावन बनेंगे ना। (सबने कहा: बाद में।)
बाबाः माने अभी जो टाइम चल रहा है वो पतित बनने का टाइम चल रहा है या पावन बनने का टाइम चल रहा है? (जिज्ञासु - पावन बनने का।) अगर पावन बनने के टाइम पर कोई पतित बनना शुरु करे तो नंबर कहाँ लगेगा? बाद में लगेगा या पहले नंबर लगेगा?
जिज्ञासुः बोले कि वो नंबर 1 आत्मा पतित होती है, वो ही नंबर 1 पावन बनती है।
बाबाः हाँ, तो जो नंबर 1 पतित होगा, पहले ही नंबर 1 पतित बन गया होगा उसका नंबर 1 पहले आगे लगेगा या जबकि नंबर बाद में हो जाएगा तब नंबर आगे लगेगा?

Time: 23.47-25.35
Student: And there is also this thought in the mind of some people... there are many points in Baba's murli, they are misinterpreting them. For example, Baba has said that Baba purifies only the sinful one. So, [they say:] someone will become pure only when he becomes sinful, will he not?
Baba: Does it mean that... The *time* that is going on now; is it the time to become sinful or to become pure? (Student: to become pure.) If someone starts becoming sinful when it is the *time* to become pure, then which *number* (rank) will he achieve? Will he achieve the last number or the first number? (Students: the last number.)
Student: They say that the soul who becomes No.1 sinful; he himself becomes No.1 pure.
Baba: Yes, so the one who is *No.1* sinful, the one who would have become *No.1* sinful in the beginning itself, will he achieve the first number or will someone achieve the first number on becoming [sinful] later?

जिज्ञासुः ज्ञान आने के बाद भी पतित बने हैं तो भी पावन थोड़ी बनेंगे।
बाबाः जब ज्ञान मिल गया माने बाप मिल गया ना। (जिज्ञासु - हाँ, जी।) जब बाप मिल गया है तो बाप के अवज्ञाकारी बनने से हम पावन बन जाएंगे या आज्ञाकारी बनने से पावन बन जाएंगे? (जिज्ञासु - आज्ञाकारी बनने से।) तब तो उल्टा ज्ञान उठा लिया। बुद्धि ही भ्रष्ट हो गई। फलों के भी पकने का भी सीजन होता है। क्या? कोई फल होते हैं... कोई क्या, सभी फल। जब सीजन है पकने का तब वो लगना शुरु हो तो वो क्या फल देगा? क्या उसकी कीमत होगी? तो ये भी सीजन है पतित से पावन बनने का। और पतित से पावन बनने के सीजन में कोई पतित बनना शुरु कर दे, शादियाँ करना शुरु कर दे, बच्चे पैदा करना शुरु कर दे, तो क्या कहेंगे? पतित बुद्धि है, एकदम भ्रष्ट बुद्धि हो गई या पावन बुद्धि बनी? भगवान का बच्चा बना या शैतान का बच्चा बन गया? शैतान का बच्चा बन गया।

Student: If someone becomes sinful even after receiving knowledge, he will not become pure.
Baba: When we have received the knowledge it means that we have found the Father, haven't you? (Student: yes.) When we have found the Father, will we become pure by disobeying His orders or will we become pure by becoming obedient? (Students: by becoming obedient.) It means they have grasped the knowledge in an opposite manner. The intellect itself became corrupt. There is a *season* for the fruits to ripe as well. What? There are some fruits... It is not some, [but] all the fruits. If a tree starts producing fruits when it is a *season* for the fruits to ripe, then what fruits will it produce [in the season]? What will be its value? So, this is also a *season* to transform from sinful to pure. And if someone starts becoming sinful in the *season* to transform from sinful to pure , if he starts marrying, reproducing, then what will be said [about him]? Does he have a sinful intellect, did his intellect become completely corrupt or did his intellect become pure? Did he become God's child or a devil's child? He became a devil's child.

समयः 25.40-26.30
जिज्ञासुः पहले भी ब्रह्मा बाबा से कोई पूछा था कि बाबा ये खा लें, बाबा शादी कर लें, तो बाबा कहते थे भले करो। तो आज भी कई बोलते हैं कि बाबा ने तो कहा है ऐसे।
बाबाः बाबा ने कहाँ कहा? बाबा ने कहाँ कहा?

जिज्ञासुः कोई बात पूछा कि चलो भले करो, भले करो।

बाबाः तो बाबा अभी मौजूद नहीं है क्या? जो मौजूद बाबा है, जो साकार में प्रैक्टिकल में है, उससे पूछना चाहिए या मरे हुए से पूछना चाहिए? श्रीमत किसकी फालो करना है?

जिज्ञासुः जो साकार में है।

बाबाः जो साकार में, प्रैक्टिकल में मौजूद है उसकी मत फालो करना है।

जिज्ञासुः उनका फोन से कनेक्शन नहीं होता है।

बाबाः मरे हुए को श्रेष्ठ कहेंगे या जो जिन्दा है और जिन्दा ही रहेगा अन्त तक उसको श्रेष्ठ कहेंगे? अकालमूर्त कौन है?

जिज्ञासुः जिसको कोई देख नहीं सकता शरीर छोड़ते हुए ।

Time: 25.40-26.30
Student: Just like, before also, when someone used to ask Brahma Baba: Baba, should we eat this? Baba, should we get married? Baba used to say: You may. [Therefore,] even today many people say: Baba himself has permitted this.
Baba: When did Baba say so?
Student: If they asked something, he (Brahma Baba) used to say: Alright, you may do it...
Baba: So, isn't Baba present now? Should you ask the Baba who is present in a corporeal form, in practice or should you ask the dead one? Whose *shrimat* should you *follow*?
Student: The one who is in a corporeal form.
Baba: We have to *follow* the directions of the one who is present in a corporeal form, in practice.
Student: They are unable to have connection [with Baba] on phone.
Baba: Will the dead one be called elevated or will the one who is alive and will remain just alive till the end be called elevated? Who is *akaalmuurt*[1]?
Student: The one whom nobody can see while leaving the body.

समयः 26.34-30.55

जिज्ञासुः बाबा, बचपन में राधा खेलपाल करती है ना। कृष्ण के बगीचे में आती है। वो शूटिंग हो गई कि बाकी है?

बाबाः अभी राधा की हवा तक मिल नहीं रही है। और कह रहे हैं शूटिंग हो गई। अभी तो अव्यक्त वाणी में डायरेक्शन दिया है विजयमाला का आवाहन करो। आवाहन करो का मतलब जो शहद की मक्खियों की रानी है, शहद की मक्खियों का आवाहन करो तो कैसे आवाहन किया जाता है? जो शहद की मक्खियां पालने वाले होते हैं शहद की मक्खियों को आवाहन करते हैं तो कैसे करते हैं? रानी मक्खी को पकड़ लेते हैं। यहाँ भी बुद्धि से पकड़ के रखो। विजयमाला की हेड को बुद्धि से पकड़ के रखेंगे, आवाहन करेंगे, खींचेंगे बाबा की याद में तो क्या होगा रिजल्ट? (किसी ने कहा- सभी मक्खियां आ जायेंगी।) वो रानी मक्खी आ जाएगी तो पीछे-पीछे 16000 सारी ही आ जाएंगी।

[1] The one whose body is not devoured by death

Time: 26.34-30.55
Student: Baba, Radha plays [with Krishna] in her childhood, doesn't she? She comes in the garden of Krishna. Is that shooting over or is it yet to happen?
Baba: There is not even the trace of Radha yet and you are saying that the *shooting* is over. ☺ Now, a *direction* has been given in the avyakt vani: invoke the *Vijaymala* (rosary of victory). To invoke (*aavaahan karo*) means… The queen bee of honey bees… if you wish to invoke honey bees, how are they invoked? How do the honey bee keepers invoke the honey bees? They catch the queen bee. So, here too catch her through the intellect. If you catch the *head* of the *Vijaymala* through the intellect, if you invoke her, pull her in the remembrance of Baba, then what will be the *result*? (Someone said: all the honey bees will follow her.) If the queen bee comes, all the 16000 [bees] will follow her.

दूसरा जिज्ञासुः जब वो 16000 आएंगी बाबा क्या सबको भट्ठी ऐसे ही करनी पड़ेगी जैसे अभी भट्ठी चल रही है?

बाबाः बोल तो दिया अभी दुबारा भी समर्पण समारोह करेंगे।

दूसरा जिज्ञासुः दुबारा करेंगे?

बाबाः हाँ। दुबारा। अव्यक्त वाणी में बोला है। ऐसे नहीं कि ये पहला समर्पण समारोह लास्ट हो गया। नहीं। दुबारा समर्पण समारोह भी होगा। अभी जो पैदाइश हो रही है वो पैदाइश श्रेष्ठ पैदाइश हो रही है या बिच्छू टिण्डन की पैदाइश हो रही है?

जिज्ञासुः बिच्छू-टिण्डन।

बाबाः बेसिक नालेज में या एडवांस नालेज में?

जिज्ञासुः दोनों में।

बाबाः दोनों में बिच्छू-टिण्डन पैदा हो रहे हैं। (किसीने कहा - बाबा, दोनों में ही है?) हाँ, दोनों तरफ के जो बन्दे हैं उनको अपनी रग लगी हुई है देहभान की। सेवा जो कुछ करते हैं वो तो बापदादा की आत्मा प्रवेश करके सेवा कर रही है। बच्चे नहीं सेवा कर रहे हैं।

Another student: Baba, when those 16000 [bees] come, will they all have to do the *bhatti* in the same way as the *bhatti* is organized now?
Baba: It was already said that the 'surrender ceremony' will be organized once again.
Another student: Will it be organized once again?
Baba: Yes. Once again. It has been said in the avyakt vani. It is not that this first surrender ceremony is the *last* one. No. The surrender ceremony will be organized once again. Is the progeny that is being born now an elevated progeny or is the birth of scorpions and spiders taking place?
Student: Scorpions and spiders.
Baba: Is it in the *basic knowledge* or in the *advance knowledge*?
Student: In both.
Baba: Scorpions and spiders are being born in both. ☺ (Someone said: Baba, is it in both?) Yes, the people on both sides are busy in their own interest of body consciousness. Whatever service they do is being done by the soul of Bapdada by entering them. It is not the children who are doing the service.

जिज्ञासुः बाबा, राधा जो आएगी कृष्ण के बगीचे में, मन-बुद्धि से कि शरीर से बाबा? और कब तक?

बाबाः मन-बुद्धि से अभी नहीं आती है? मन-बुद्धि से अभी नहीं आती होगी? (जिज्ञासु - आती होगी ।) फिर? वो तो सभी ब्रह्माकुमारियाँ जिनकी बुद्धि में एडवांस नालेज बैठती है या सुनती है या चोर बाजारी करती हैं तो उनकी बुद्धि भागेगी नहीं वहाँ?

दूसरा जिज्ञासुः चोरबाजारी माना बाबा?

बाबाः चोरबाजारी माना छुप-छुप के सुनना। कमरा बन्द कर लेना। और बड़ी-बड़ी जो हमजिन्स बहनें हैं हमजिन्स दीदी-दादियां हैं वो बैठ करके उसको पढ़ती हैं, देखती हैं, टी.वी देखती हैं। वो हो गई चोरबाजारी। दुनियां में चोर बाजारी आज चल रही हैं कि नहीं? (सभी - चल रही है।) सोने की, हीरों की चोरबाजारी चलती है कि नहीं? (किसीने कहा - चलती है।) खुले मार्केट में ज्यादा बिकते हैं या चोर बाजारी में ज्यादा बिकते हैं? (जिज्ञासु - चोर बाजारी में।) चोर बाजारी में ज्यादा बिक रहे हैं। तो बेहद में भी ऐसे ही है।

Student: Baba, will Radha come to Krishna's garden through the mind and intellect or through the body? (All are laughing.) And by when?

Baba: Doesn't she come through the mind and intellect now? Will she not be coming through the mind and intellect now? (Student: she will be coming.) Then? All the Brahmakumaris in whose intellect the advance *knowledge* sits, who listen to it [or] smuggle it; will their intellect not run towards it?

Another student: Baba, what is meant by smuggling (*corbaazaari*)?

Baba: Smuggling means to listen [to the knowledge] stealthily. They close the doors and the *humgenes*[2] senior sisters, the *humgenes* Didis and Dadis sit and read it, watch it, they watch it on TV. That is smuggling. Is smuggling going on in the world today or not? (Everyone said: it is.) Is gold, diamonds smuggled or not? (Students: they are [smuggled].) Are they sold more in an open market or through smuggling? (Student: through smuggling.) They are being sold more through smuggling. So, it is the same case in an unlimited sense as well.

दूसरा जिज्ञासुः जो छुप के सुन रहे हैं तो ये तो अंत में ही आएंगे। जो छुप के सुन रहे हैं, ऊपर से दिखाना नहीं चाहते...

बाबाः हाँ तो चारे कौन हैं और साहूकार कौन हैं समझ लो।

दूसरा जिज्ञासुः साहूकार तो दहाड़ मारकर आकर भी सुनते हैं।

बाबाः जो चोर हैं वो तो ब्लैक मार्केटिंग ही करेंगे। जो साहूकार हैं वो खुले मैदान में हैं। लेन-देन करेंगे।

दूसरा जिज्ञासुः रुद्रमाला में सभी आएँगे ये जो छुपके सुन रहे है?

बाबाः एडवांस का जो ज्ञान है, एडवांस में जो भगवान कार्य कर रहा है, उसको तो सभी पहचानेंगे ना आगे-पीछे। (जिज्ञासु: हांजी।)

[2] Of the same category.

Another student: All those who are listening [to the knowledge] stealthily will certainly come in the end. Those who are listening [to the knowledge] stealthily and do not want to show it from outside...
Baba: Yes, so, understand that who is a thief and who is rich.
Another student: The rich come and listen [to the knowledge] fearlessly.
Baba: Those who are thieves will certainly do *black marketing*. Those who are rich are will exchange [knowledge] openly.
Another student: Will all these who are listening [knowledge] stealthily come in the *Rudramala*[3] ?
Baba: Everyone will recognize the advance knowledge and the God who is working in the advance [party], either early or late, won't they? (Student: yes.)... (to be continued.)

Extracts-Part-5

समयः 31.00-35.10

जिज्ञासुः बाबा बोलते हैं शुरु में ज्ञान सतोप्रधान था। अब तमोप्रधान हो गया है। इसका क्या मतलब है?

बाबाः इसका मतलब ये है कि पहले जो चीज़ जितनी विस्तार को हो जाती है उसका सार खतम होता जाता है। जैसे झाड़ है, छोटा है तो उसमें ज्यादा पावर है। सतोप्रधानता ज्यादा है। पवित्रता ज्यादा है। झाड़ जितना ही बड़ा होता जाता है उसमें सार, बीज छुपता जाता है। तो ऐसे ही ये ज्ञान एक में है। एक के अन्दर घुमड़ रहा है। और उसने एक को सुना दिया। तो वो सतोप्रधान है कि ज्यादा तमोप्रधान है? (जिज्ञासु - सतोप्रधान।) सतोप्रधान है। फिर एक से अनेकों को सुनाया गया। फिर अनेकों से अनेकों को सुनाया गया। तो तमोप्रधान होता जाएगा या सतोप्रधान रहेगा? (जिज्ञासु - तमोप्रधान होगा ।) तमोप्रधान होता जाता है। ज्ञान भी सतोप्रधान, सतोसामान्य, रजो और तमो। एक से सुना तो सतोप्रधान और अनेकों से सुना? (जिज्ञासु - तमोप्रधान।) हाँ, ये बात सही है, आपने ये बात सही कही। ये बात हमारी बुद्धि में भी आ रही थी। ये बात तो बिल्कुल करेक्ट है। तो गुरु बना लिया ना। दिल की बात दिलावर को कह दी ना, एक-दूसरे को।

Time: 31.00-35.10
Student: Baba says that the knowledge was *satopradhaan* in the beginning. Now it has become *tamopradhaan*. What does it mean?
Baba: It means that the more a thing goes into expansion its essence keeps decreasing. Just like there is a tree, when it is small, it has more *power*, it has more *satopradhaantaa* (the quality of being *satopradhaan*), it has more purity. As the tree grows in size, the essence, the seed goes on hiding in it. So, similarly, this knowledge is contained in one person. It is rotating in one person. And he narrated it to one person. So, is it *satopradhaan* or more *tamopradhaan*? (Student: *satopradhaan.*) It is *satopradhaan*. Then, it was narrated to many people by that one person. Then many people narrated it to many others. So, will it go on becoming *tamopradhaan* or will it remain *satopradhaan*? (Student: it will become *tamopradhaan.*) It goes on becoming *tamopradhaan*. The knowledge also [becomes] *satopradhaan, satosaamaanya, rajo* and *tamo*. If you listen to one, it is *satopradhaan*; and if you listen to many? (Students: *tamopradhaan.*) [If

[3] The rosary of Rudra

you think:] yes, this is correct. You said this right. This concept was going on in my intellect as well. This is absolutely *correct*. So, you made him your guru, did you not? You narrated the secrets of the heart (*dil*) to your dear one (*dilaawar*), to each other, didn't you?

दूसरा जिज्ञासुः बाबा की मुरली सुनते हैं तब तो उनको समझ में नहीं आता है। जब कोई तीसरा चौथा सुनाता है तब कहते हैं- हाँ ये समझ में आ गया।
जिज्ञासुः बाबा जब शुरु में कोर्स करवाते थे वो सतोप्रधान ज्ञान हुआ क्या ?
बाबाः शुरु में माने कब? 76 में? (जिज्ञासु - हाँ, 76 के बाद।) उस समय की वाणियाँ देख लो। उस समय की जो वाणियाँ हैं वो देखो। भले टेप रिकार्ड में उस समय जड़जड़ीभूत था, भले आवाज़ साफ नहीं है लेकिन मैटर को निकाल करके देखो। रिफाइन करके उसको जैसे मुरलियाँ रिफाइन की जाती हैं, फिर छापी जाती हैं ऐसे उस पुरानी कैसट को छाप करके देखो। उसमें ज्यादा पावर है कि आज की जो मुरली पढ़ी जाती है उसमें ज्यादा पावर है?
तीसरा जिज्ञासुः बाबा, दोनों वाणी तो बाबा की ही थी फिर क्यों फर्क हो गया?
बाबाः अरे? अभी तो बताया। पहले थोड़े पत्ते हैं बुद्धियोग खींचने वाले। और अभी बुद्धियोग खींचने वाले? (जिज्ञासु - ज्यादा।) ज्यादा पत्ते हैं तो फर्क नहीं पड़ेगा?
तीसरा जिज्ञासुः बाबा तो बाबा है ना फिर...।

Another student: They do not understand when they listen to Baba's murli. When a third or fourth person tells them, then they say: yes, I understood it now.
Student: Was it the *satopradhaan* [knowledge] when Baba used to give course in the beginning?
Baba: What do you mean by the beginning? Is it 76? (Student: yes, after 76.) Look at the *vanis* of that time. Look at the *vanis* of that time. Although it was in a dilapidated condition in the *tape record* at that time, although the voice is not clear, take out its *matter*. *Refine* it, just as the *murlis* are refined, and then printed, similarly, print those old cassettes [and observe] do they have more *power* or does the murli being read today has more *power*?
A third student: Baba, both the *vanis* were only of Baba, then why was there a difference?
Baba: *Arey*? Just now it was said. Initially, there are very few leaves which pull the intellect. And how many are there to pull the intellect now? (Student: more.) There are more leaves; so will it not make a difference?
A third student: Baba is Baba, isn't he? Then...

बाबाः अरे बाबा तो बाबा। झाड़ में जो बीज है वो बीज सड़ता जावेगा या बीज मजबूत होता जावेगा? बीज जो बोया गया, झाड़ बनना शुरु हुआ तो बीज खतम होता जावेगा या बीज जो है पावरफुल बनता जावेगा? (जिज्ञासु - कमजोर।) कमजोर होता जावेगा, सड़ता जावेगा, सड़ता जावेगा। बुद्धियोग सारे बच्चों में बिखर गया।
तीसरा जिज्ञासुः पावरफुल कब होता है बाबा?
बाबाः पावरफुल जब झाड़ पूरा बड़ा हो जाए और बीज अपने को झाड़ से अलग कर ले। फल पक जाता है, पके हुए फल में बीज अपने को अलग कर लेता है - उपराम - ये सब झूठे हैं। सत्यानाशी हैं। सबने धोखा दिया है। एक भी काम का नहीं है। वो अपने को अलग कर लेता है।
दूसरा जिज्ञासुः फिर वही अवस्था बन जाती है।

बाबा: फिर वही बीजरूप स्टेज बन जाती है। ये मेरे हैं, मेरे हैं, मेरे हैं, इसी से सत्यानाश हो जाता है।

चौथा जिज्ञासुः किसी का एक बच्चा होता है उसको पावरफुल ज्यादा बनाते है, फिर 5 बच्चे हो जाते हैं तो बंट जाता है, कनवर्ट हो जाता है। वो ही है।

बाबाः पहले बच्चे को राजा क्यों बनाया जाता है? पहला बच्चा ज्यादा लंबे समय की प्योरिटी से पैदा हुआ। तो राजा बनाने के योग्य हो जाता है। परंपरा यही चलती रही राजाओं में। कौनसे बच्चे को राजा बनाया? पहले बच्चे को राजा बनाया। क्यों बनाया? क्योंकि लंबे समय की प्योरिटी से पैदा होता है। दूसरा बच्चा एक साल के बाद ही पैदा हो जाएगा। वो तो एक साल की ही प्योरिटी ले करके बेचारा पैदा हुआ।

Baba: *Arey*, Baba is Baba. Will a seed in the tree go on rotting or will the seed go on becoming strong? The seed that was sown, when the tree started growing, will the seed go on perishing or will it go on becoming *powerful*? (Student: weak.) It will go on becoming weak, it will go on rotting, it will go on rotting. The connection of the intellect scattered among all the children.
A third student: When is it powerful Baba?
Baba: [It is] *powerful* when the tree grows completely and the seed separates itself from the tree. When the fruit ripens, then the seed separates itself from the ripened fruit – detached – [he realizes:] all these are liars. All of them bring ruination. Everyone has deceived [me]. None of them is of any use. It separates itself.
Another student: Then it attains the same stage.
Baba: Then it attains the same seed form *stage*. [Thinking:] these ones are mine, mine, mine, this very thing brings ruination.
A Fourth student: Someone has one child; he is made more *powerful*; then, when five children are born, the power is distributed; it is converted; it is the same case.
Baba: Why is the first child made a king? The first child is born through the *purity* of a longer time. So, he becomes worthy of being crowned a king. This very tradition continued among kings. Which child was made the king? The first child was made the king. Why was he made [the king]? It is because he is born after the *purity* of a long time. The second child will be born just within a year. The poor one was born with the *purity* of just one year.

समयः 35.11-35.49

जिज्ञासुः बाबा, पहले पावन बनना फिर पतित बनना, फिर पावन बनना इससे अच्छा तो थोड़ा-थोड़ा हो ना। पावन ही बने रहें या पतित बनें ही नहीं। थोड़े जन्म हों। क्या अच्छा होगा?

बाबाः होते हैं ना। कीड़े-मकोड़ों का थोड़ा ही जन्म होता है। एक ही जन्म होता है कीड़े-मकोड़ों का।

जिज्ञासुः वो कीड़े-मकोडे कैसे हो जाते हैं बाबा?

बाबाः कीड़े-मकोड़े हो थोड़े ही जाते हैं। वो तो हैं ही। बीज ही ऐसे हैं। कोई कहे कि गेहूँ का बीज क्यों हो गया? अरे वो तो गेहूँ का बीज है ही है हमेशा से। ये आम का बीज कैसे हो गया? ये कीड़ा कैसे हो गया? ये जानवर कैसे हो गया? हो नहीं गया। वो तो है ही ।

Time: 35.11-35.49
Student: Baba, becoming pure first and then becoming sinful and then becoming pure again; is it not better if it happens gradually? We should always remain pure; we should not become sinful at all. There should be fewer births. What is better?
Baba: There are such ones, aren't there? Insects and spiders have fewer births. They have only one birth.
Student: Baba, how do they become insects and spiders?
Baba: They don't **become** insects and spiders. They already exist. Their seed itself is like this. Someone may ask: why was the seed of wheat formed? *Arey*, it has been the seed of wheat forever. How was this seed of mango formed? How was this worm formed? How was this animal formed? It was not formed. It already exists.

समयः 35.51-38.00

जिज्ञासुः बाबा, राजा-महाराजाएं तो ज्यादा अत्याचार करते थे। शासन करते थे। तो ये अच्छी बात है क्या?

बाबाः राजा-महाराजा। जो सतयुग के राजा-महाराजा थे ज्यादा अत्याचार करते थे?

जिज्ञासुः नहीं। सतयुग के तो नहीं करते थे। सतयुग की तो स्थूल राजाई की बात ही नहीं।

बाबाः तो बाबा सतयुग के राजा बनाता है या बाबा कलियुग का राजा बनाता है?

दूसरा जिज्ञासुः सतयुग।

जिज्ञासुः वो ही आत्माएं तो द्वापर से फिर राजा बनते हैं ना बाबा।

बाबाः हाँ तो किसके प्रभाव में आ गई?

जिज्ञासुः संग रे रंग में।

बाबाः फिर?

Time: 35.51-38.00
Student: Baba, kings and emperors used to torture [people] a lot. They used to govern. So, is it good?
Baba: Kings and emperors. Did the kings and emperors of the Golden Age torture a lot?
Student: No. Those of the Golden Age did not used to torture. There is no question of physical kingship in the Golden Age at all.
Baba: So, does Baba make you the king of the Golden Age or the king of the Iron Age? (Students: the Golden Age.)
Student: Baba, the same souls become kings from the Copper Age again, don't they?
Baba: Yes, so under whose influence did they come?
Student: They were coloured by the company.
Baba: Then?

जिज्ञासुः तो किसी पे शासन करना अच्छी बात तो नहीं है ना। इससे अच्छा किया ही न जाए।

बाबाः हाँ, तो क्यों? बाबा कहता है कि किसी के ऊपर जबरदस्ती शासन करो?

जिज्ञासुः करेंगे तो फिर हमको भोगना भी पड़ेगा ना।

बाबाः बाबा कौनसा शासन करना सिखाता है? सो शासन करो ना। दिल को जीतने वाला शासन करो ना। यथा राजा तथा प्रजा ऐसा शासन करो ना।

जिज्ञासुः लेकिन होता तो नहीं है ना बाबा...।

बाबाः होता क्यों नहीं है? होता नहीं है तो लक्ष्मी-नारायण बनते कैसे हैं?

जिज्ञासुः वो तो है लेकिन....

बाबाः वो तो है, वो तो है, सो ही करो।

जिज्ञासुः बाबा, शूटिंग तो अभी ज्ञान में आने के बाद होती है ना।

बाबाः शूटिंग तो तुम्हारे हाथ में (है), मुट्ठी में है तुम्हारी तकदीर। जैसा बाबा चाहते हैं वैसा करो। और मनमत का करना चाहो तो मनमत का करो। बाबा तो तुमको लक्ष्य दे दिया कि सतयुग के राजा बनो। बाबा ने ये कहाँ लक्ष्य दे दिया कि तुम हिंसक राजा बनो? बाबा ने लक्ष्य दिया क्या?

Student: So, it is not good to rule over someone, is it? It is better if it is not done at all.
Baba: Yes, then why? Does Baba say that you should rule over someone forcibly?
Student: If we rule [forcibly] then we will have to suffer, too, won't we?
Baba: Which kind of governance does Baba teach? Govern in that way. Rule in a way that wins people's heart. Rule in a way that as the king so are the subjects.
Student: But it does not happen Baba, does it?
Baba: Why doesn't it happen? If it does not happen, then how do they become Lakshmi-Narayan?
Student: That is true, but...
Baba: That's true, that's true; do that very thing.
Student: Baba, *shooting* takes place after entering the path of knowledge, doesn't it?
Baba: The *shooting* is in your hands; your fate is in your hands. Act as Baba wishes. And if you wish to act as per your minds opinion, act that way. Baba has given [you] a target: become a king of the Golden Age. Baba didn't give you the target to become a violent king. Did Baba give that target?

जिज्ञासुः नहीं बाबा, लेकिन वही आत्माएं तो आती है द्वापर के बाद से।

बाबाः तो अपनी मनमत से बनती है ना। परमत में चलती हैं तभी तो बनती हैं ना। तो मत चलो न परमत पे। श्रीमत को ही पकड़ लो किटकिटा के।

जिज्ञासुः वो ही तो बाबा कोई तो उपाय होगा।

बाबाः हाँ, तो ये ही उपाय है। दृढ़ता धारण करो।

जिज्ञासुः गिर के उठने से तो अच्छा है गिरे ही नहीं।

बाबाः हाँ, हाँ, तो कौन कहता है गिरो? प्रजापिता वाली आत्मा अंतिम जन्म में भी आ करके आत्मिक स्थिति में रहती है। सत्य को छोड़ती नहीं है। तो उसको गिरा हुआ कहेंगे?

जिज्ञासुः नहीं।

बाबाः फिर? तो आपके लिए मना कर दिया कि ऐसे मत बनो?

जिज्ञासुः नहीं बाबा, पता नहीं....।

बाबाः पता नहीं क्या? ये कहो कि हमारी दिल होती है ऐसा करने की।

Student: No Baba. But the same souls come from the Copper Age.
Baba: So, they become [violent kings] as per the opinion of their mind, don't they? They become [violent kings] only when they follow the opinion of others, don't they? So, don't follow others' opinion. Grasp only the *shrimat* tightly.
Student: That is what; Baba, there must be some solution at least.
Baba: Yes, this itself is the method. Imbibe firmness (*dridhta*).
Student: Instead of falling and rising, it is better if one does not fall down at all.
Baba: Yes, yes, so, who asks you to fall? The soul of Prajapita remains in a soul conscious stage even in the last birth. It does not leave truth. So, will it be said to have fallen?
Student: No.
Baba: Then? So, have you been stopped from becoming like him?
Student: No, Baba, I don't know…
Baba: Why don't you know? Say that you wish to do so. … (to be continued.)

Extracts-Part-6

समयः 38.01-39.23

जिज्ञासुः बाबा, 5 ब्रह्मा का जो गायन है....

बाबा: हाँ, जी।

जिज्ञासु: तो शिव क्या पांचों ब्रह्माओं में प्रवेश करते हैं? ऐसा मुरली में तो कहा है कि मैं जिसमें प्रवेश करूँ उसका नाम ब्रह्मा रखना पड़े।

बाबाः ठीक है। हाँ, तो?

जिज्ञासुः तो पांचों ब्रह्मा में प्रवेश करते होंगे।

बाबाः हाँ, प्रवेश करेंगे नहीं तो काम कैसे चलेगा?

जिज्ञासुः तो वैष्णवी तो पवित्र आत्मा है बाबा।

बाबाः तो वैष्णवी के द्वारा जो पवित्रता के काम होते हैं वो रामवाली आत्मा ने क्यों नहीं कर लिये? प्रैक्टिकल जीवन में पवित्रता धारण करने का काम रामवाली आत्मा ने क्यों नहीं कर लिया? वो भी तो ज्ञानी आत्मा है। ये पार्ट कौन बजाता है? वैष्णवी ही बजाएगी। वैष्णवी के अंदर 84 जन्मों के पवित्रता के संस्कार हैं। जिसके अन्दर 84 जन्मों के पवित्रता के संस्कार हैं वो ही प्रैक्टिकल पार्ट बजाएगा संगमयुग में, (या) कोई दूसरा बजाय लेगा? रामवाली आत्मा में जन्म-जन्मान्तर राजा बन करके और अपवित्र बनने के संस्कार रहे द्वापरयुग से। तो पवित्र बन पाएगा? एक रानी को समझाएगा तो दूसरी रानी पकड़ लेगी। जैसे बांधेले होते हैं ना। कोई पुरुष भी बांधेले हो जाते हैं। तो कहते हैं हमारी पत्नी ज्ञान में नहीं चलती है। ज्ञान अच्छे से उठाती नहीं है। हमारी टांग पकड़ के खींच लेती है।

Time: 38.01-39.23
Student: Baba, the five Brahmas are famous…
Baba: Yes.
Student: So does Shiva enter all the five Brahmas? This has been said in the murli: the one whom I enter will have to be named Brahma.
Baba: It is correct. Yes, so?
Student: So, he would be entering all the five Brahmas.

Baba: Yes, how will the work carry on if He does not enter them?
Student: Baba, but Vaishnavi is a pure soul.
Baba: So, why didn't the soul of Ram perform the tasks of purity which are performed by Vaishnavi? Why didn't the soul of Ram perform the task of assimilating purity in the *practical* life? He is also a knowledgeable soul. Who plays this *part*? Vaishnavi herself will play that *part*. There are *sanskaars* of purity of 84 births in Vaishnavi. The one who has the *sanskaars* of purity of 84 births, will he himself play the *practical part* in the Confluence Age or will anyone else play it? The soul of Ram had the *sanskaars* of becoming impure after becoming kings for many births from the Copper Age. So, will he be able to become pure? If he explains to one queen, he will be caught by another queen. For example, there are men in bondage, aren't there? Some men are also in bondage. So, they say: my wife does not follow the path of knowledge. She does not grasp knowledge nicely. She pulls my leg.

समयः 39.25-40.30

जिज्ञासुः बाबा, राम वाली आत्मा जो द्वापरयुग से हर जन्म में राजा बनी और कई रानियां...।

बाबाः हर जन्म में क्यों राजा बनेगी? ज्यादातर राजा बनेगी।

जिज्ञासुः ज्यादातर राजा बनेगी। लेकिन रानियाँ तो रहीं ना। ज्यादा रानियाँ रखीं।

बाबा: तो?

जिज्ञासु: तो वो सारी रानी वाली आत्मा अभी संगमयुग में किस रूप में मिलेगी?

बाबाः किस रूप में? माया, माया के रूप में मिलेंगी और किस रूप में मिलेंगी?

जिज्ञासुः वो आत्माएं सारी?

बाबाः अरे, माया पीछे पड़ती है। माया हमको चलने नहीं देती है। माया हमको श्रीमत पर नहीं चलने देती है। माया हमको नीचे गिराती है। तो कोई आदमी और पुरुष के रूप में गिराती है, कोई वस्तु के रूप में गिराती है या ऐसे ही गिराती है? कोई न कोई रूप धारण करती है।

जिज्ञासुः नहीं। राम वाली आत्मा के साथ वो सारी जो आत्माएँ हैं...।

बाबाः हाँ, अपना हिसाब-किताब नहीं लेंगी? ऐ कहाँ जा रहे हो? विश्व के बादशाह बाद में बनना। पहले हम से निपट लो।

जिज्ञासुः नम्बरवार सबके साथ ही ऐसा होगा?

बाबाः बिल्कुल। शालू के भी साथ है।

Time: 39.25-40.30
Student: Baba, the soul of Ram became a king in every birth from the Copper Age and had many queens…
Baba: Why will he become a king in every birth? He will become a king in most of the births.
Student: He will become a king in most of the births. But he had queens, hadn't he? He kept many queens.
Baba: So?
Student: So, in which form will all those souls of queens meet [him] in this Confluence Age now?
Baba: In which form? They will meet [him] in the form of Maya; in which other form will they meet?
Student: All those souls [of queens]?

Baba: *Arey,* Maya chases us. Maya does not allow us to follow [the path of knowledge]. Maya does not allow us to follow the shrimat. Maya makes us fall down. So, does it make us fall through the form of a person, a man, a thing or does it make us fall down simply (without any thing)? It takes on one form or the other.
Student: No, all the souls which are with the soul of Ram…
Baba: Will they not settle their karmic accounts? [They will say:] "Hey! Where are you going? Become the master of the world later on. First deal with me"☺.
Student: Is it happening like this number wise with everyone?
Baba: Definitely. It is the case with Shaalu (a P.B.K student) as well. ☺

समयः 40.30-41.25

जिज्ञासुः बाबा, विष्णु के ऊपर जो शेषनाग है ना उसका मतलब क्या है?
बाबाः विष्णु? विष्णु के ऊपर नाग है। विष्णु देवता के ऊपर नाग दिखाए हैं। उसका मतलब ये हुआ कि जिन्होंने हमले कर-करके नीचे गिराया है लास्ट (में) जब वो समझ जाते हैं ज्ञान को वो सर्प जब ज्ञान को समझ जाते हैं, क्योंकि अंग संग रहते हैं ना, तो ज्यादा नज़दीक रहने वाला ज्यादा गहराई में उतरेगा या दूर रहने वाला ज्यादा गहराई में उतरेगा? (जिज्ञासु - नज़दीक रहने वाला।) जो नज़दीक रहता है वो ज्यादा गहराई को समझ जाता है। वो समझ जाता है, पहचान जाता है, तो जब पूरी पहचान हो जाती है, उन सर्पों को तो फिर वो बिगाड़ने वाले नहीं रहते हैं। वो फिर बाहरी हमले जब होते हैं तब उनकी रक्षा करते हैं।

Time: 40.30-41.25
Student: Baba, what is meant by the *shesnaag* (snake) which is shown above Vishnu?
Baba: Vishnu? There is a snake above Vishnu. Snakes have been depicted above the deity Vishnu. It means that all those who have attacked and brought downfall, when those snakes understand the knowledge in the *last*, because they remain very close [to the father], don't they? So, will the one, who remains closer, go deeper (know him in depth) or will the one who remains far away go deeper? (Student: the one who remains close.) The one who remains close understands the depth more. He understands and recognizes him (the person with whom he is close). So, when those snakes recognize him completely, then they do not remain harmful [to him]. Then, they guard him when the attacks from outside take place. …(to be continued.)

Extracts-Part-7

समयः 41.24-46.25

जिज्ञासुः बाबा, वैष्णवी तो फिर पवित्र आत्मा है ना।
बाबाः ये किसने कहा अपवित्र आत्मा है? ये आपको किसने कह दिया कि अपवित्र आत्मा हैं जन्म-जन्मान्तर की?
जिज्ञासुः जन्म-जन्मान्तर नहीं। इस जन्म में तो पवित्र है ना।
बाबाः इस जन्म में? इस जन्म में? पिछले जन्मों में नहीं?
जिज्ञासुः पिछले जन्मों में भी पवित्र थी लेकिन इस जन्म में तो है ना।

बाबाः इस जन्म में पवित्रता को कौन मेनटेन करेगा? जिसने पूर्व जन्मों में पवित्रता मेनटेन की होगी वो ही आखरी जन्म में पवित्रता को मेनटेन करेगा या जिसने नहीं की होगी वो भी मेनटेन कर सकता है?

जिज्ञासुः जिसने की होगी वो ही करेगा।

बाबाः बस।

Time: 41.24-46.25
Student: Baba, Vaishnavi is a pure soul, isn't she?
Baba: Who said that she is an impure soul? Who told you that she is an impure soul for many births?
Student: No, not for many births. She is pure in this birth, isn't she?
Baba: In this birth? [Only] in this birth? Wasn't she [pure] in the past births?
Student: She was pure in the past births as well, but she is certainly pure in this birth, isn't she?
Baba: Who will *maintain* purity in this birth? Will the one who will have maintained purity in the past births *maintain* purity in the last birth or can the one who will not have [maintained purity] in the past births be able to *maintain* it [in the last birth]?
Student: Only the one who has [maintained purity in past births] will maintain it [in the last birth].
Baba: That is all.

जिज्ञासुः तो फिर उनमें शिव परमात्मा, शिव भगवान कैसे प्रवेश करते हैं?

बाबाः तुम्हें कैसे मालूम कि प्रवेश करते हैं कि नहीं करते हैं?

जिज्ञासुः आपने कहा ना अभी।

बाबाः अब से 63 जन्म पहले, 63 जन्मों में क्यों नहीं उन्होंने प्रैक्टिकल प्योरिटी को धारण कर लिया? एक के साथ, एक राजा के साथ रही होगी कि नहीं रही होगी? (जिज्ञासु - रही होगी।) बच्चा पैदा किया होगा कि नहीं पैदा किया होगा? (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) फिर? बच्चा पैदा क्यों किया? पवित्र बनके रहती। क्यों नहीं मेन्टेन कर लिया पवित्रता को?

दूसरा जिज्ञासुः ज्ञान ही नहीं था ना उस समय।

बाबाः हाँ, ज्ञान नहीं था, तो ऐसी ही बात यहाँ पर है। अरे ब्रह्मा बाबा ने सहनशक्ति इस जीवन में धारण कर ली। 63 जन्मों में क्यों नहीं सहनशक्ति धारण कर ली तो नई दुनियां बन जाती? धारण करके दिखाई? (जिज्ञासु - नहीं।) किसने कराई? ये काम किसने कराया? शिवबाबा ने कराया। ऐसे ही वैष्णवी देवी से प्रैक्टिकल जीवन में पवित्रता को धारण करने का जो प्रैक्टिकल जीवन में पार्ट बजाया वो शिव ने बजाया या कि वैष्णवी देवी ने खुद बजाया?

जिज्ञासुः शिव ने बजाया।

बाबाः तो शिव ने तो प्रवेश किया ना। मुख से बोला जाए तभी प्रवेश साबित होगा? प्रैक्टिकल कर्म करके दिखाया जाए ये प्रवेशता नहीं है? बोल-बोल को दुनियां मानती है क्या किया जाए?

Student: So, then how does the Supreme Soul Shiva, God Shiva enter her?
Baba: How do you know whether He enters [her] or not?
Student: You said just now, didn't you?

Baba: Why didn't she imbibe *purity* in practice 63 births ago, in the past 63 births? Will she have lived with one, with one king or not? (Student: she will have lived.) Will she have given birth to a child or not? (Student said something.) Then? Why did she give birth to a child? She could have remained pure. Why did she not *maintain* purity?
Another student: She did not have knowledge at that time at all.
Baba: Yes, she didn't have knowledge. So, it is the same thing here. *Arey*, Brahma Baba imbibed the power of tolerance in this life. Why did he not imbibe the power of tolerance in the 63 births so that a new world would have been established? Did he imbibe it? (Student: no.) Who enabled him [to imbibe it]? Who enabled him to perform this task? Shivbaba enabled him. Similarly, was it Shiva who enabled Vaishnavi *devi* to play the part of imbibing purity in her *practical* life or did Vaishnavi *devi* play that part herself?
Student: Shiva enabled her to play the part.
Baba: So, Shiva entered her, didn't He? Will the entrance be proved only if He speaks through the mouth? If an example is set by performing actions in practice, then is it not called entrance? The world accepts only words; what can be done [about it].

जिज्ञासुः तो बाबा फिर पांच में प्रवेश करेंगे तो सर्वव्यापी नहीं हो गया?
बाबाः लो। पांच में प्रवेश करेंगे लेकिन जो प्रत्यक्ष दिखाई पड़ता है, जिसके अंदर ज्ञान बैठता है वो कौन है? पांच में ज्ञान बैठता है या एक के अन्दर ही मनन-चिंतन-मंथन पूरा होता है? (जिज्ञासु - एक के अन्दर ।) एक के अन्दर। तो उसी को माना जाएगा।
तीसरा जिज्ञासुः वो आत्मा आदि में भी, मध्य में भी और अंत में भी । उसमें ही पार्ट प्ले किया ना शिव ने?
बाबाः मुकर्रर रथ एक ही है। दूसरे में कोई उंगली उठाके कह ही नहीं सकता कि इसमें भगवान है। कोई प्रूफ ही नहीं मिलेगा। एक का प्रूफ मिलेगा। अव्यक्त वाणियों में भी प्रूफ मिलेगा। मुरलियों में भी प्रूफ मिलेगा। प्रैक्टिकल जीवन में भी प्रूफ मिलेगा। लेकिन एक का मिलेगा...
तीसरा जिज्ञासुः कई बच्चों का यही कहना होता है ब्रह्माकुमारियों में कि जैसे ब्रह्मा बाबा जब थे तो सभी कहते थे कि यही है, यही है...
बाबाः लेकिन कोई प्रूफ था?
तीसरा जिज्ञासुः नहीं, वो शरीर छोड़ दिया ना।

Student: So, Baba, if He enters five, did He not become omnipresent?
Baba: Look. He will enter five. But who is the one in whom [the entrance] is visible, the one in whom the knowledge sits? Does the knowledge sit in all the five or does the thinking and churning takes place completely only in one? (Student: only in one.) In one; so, he alone will be accepted [as the one in whom Shiva enters].
A third student: That soul is in the beginning as well as in the middle and in the end too. Shiva played a part only in him, didn't He?
Baba: There is only one permanent chariot (*mukarrar rath*). Nobody can raise a finger on any one else and say that God is in him. They will not get any *proof* at all. They will get *proof* of one. They will get proofs in the avyakta vanis as well as in the murlis [and] in the *practical* life too. But you will get [the proof] of one…
A third student: Many children among the Brahmakumaris say this very thing: for example, when Brahma Baba was alive, everyone used to say, 'this is the one, this is the one'.
Baba: But was there any *proof*?

A Third student: No, he left his body, didn't he?

बाबाः ब्रह्मा बाबा में शिव ने प्रवेश किया इस बात का कोई प्रूफ था?
तीसरा जिज्ञासुः नहीं, मुरली सुनाई वहाँ पे सारे भाई बहनों को...।
बाबाः सिर्फ एक ही प्रूफ मिला ना। एक ही प्रूफ मिला वो भी सारी दुनियां तो नहीं मानती? और अभी तो ? अभी तो सच्चाई को सारी दुनियां को मानना पड़ेगा।
तीसरा जिज्ञासुः मानेगी।
बाबाः हाँ, मानेगी। सामने आयेंगे तो मानेंगे। सामने ही नहीं आएँगे तो मानेंगे कैसे?
जिज्ञासुः ब्रह्मा बाबा में तो थी ना बाबा प्रवेशता?
बाबाः और ये मुरली किसने चलाई? प्रजापिता ने? (जिज्ञासु - ब्रह्मा बाबा ने।) ब्रह्मा बाबा ने चलाई? अभी-अभी तो कह रहे हो कि जब ज्ञान सुनाते हैं तब पता चलता है कि इनमें भगवान है। वो भूल गए?
तीसरा जिज्ञासुः माँ का पार्ट बजाया।

Baba: Was there any *proof* that Shiva entered Brahma Baba?
A third student: No, he narrated the murli to all the brothers and sisters over there...
Baba: Only one *proof* was found, wasn't it? Only one *proof* was found; even that is not accepted by the entire world. And now the entire world will **have to** accept that truth.
A Third student: It **will** accept.
Baba: Yes, it will accept.
They will accept when they come face to face. How will they accept if they do not come face to face at all?
Student: Baba, He entered Brahma Baba, did He not?
Baba: [If not] then who narrated these murlis? Did Prajapita [narrate them]? (Student: Brahma Baba.) Did Brahma Baba narrate them? Just now you were saying that when he narrates knowledge, you come to know that God is present in him. Did you forget that?
A third student: He played the part of a mother.

बाबाः हाँ, माँ के रूप में चलाई माना वो पावरफुल वाणी नहीं थी जो किसी के ऊपर असर कर जाए। सुनने-सुनाने वाली बात थी। ब्रह्मा ने भी सुना और दूसरों को सुनाया। उसमें अमृत बना के नहीं सुनाया। उस ज्ञान को घिसा नहीं। मेहनत नहीं हुई जो घिसने की मेहनत होनी चाहिए। इसलिए मुरली में बोला है अभी गीता को गीता ज्ञानामृत नहीं कहेंगे। गीता ज्ञान तो है लेकिन अमृत नहीं है। अमृत कब बनता है? जब मंथन किया जाए। तो ब्रह्मा बाबा के मुख में बैठ करके शिव ने वाणी सुना दिया, ब्रह्मा बाबा ने अपने कान से सबसे पहले सुन लिया। सुन करके दूसरों का सुना दिया तो सुनने-सुनाने का तो काम हुआ। लेकिन मनन-चिंतन-मंथन का काम? (जिज्ञासु - नहीं हुआ।) मंथन करने से खून बनेगा अपना या बिना मंथन किये खून बन जाएगा? (जिज्ञासु - मंथन से।) खाना कोई खाता रहे, खाए और नीचे निगल जाए। खाए और नीचे निगल जाए। तो खून बनेगा? नहीं। उसको जुगाली करनी पड़े।
चौथा जिज्ञासुः समुद्र मंथन का गायन है ना। समुद्र मंथन किया, तब तो वो अमृत निकला।

बाबाः सागर मंथन का नाम बहुत बाला है।

Baba: Yes, He narrated it in the form of a mother it means it was not a *powerful* vani which could influence someone. It was about listening and narrating. Brahma too heard it and narrated it to others. He did not narrate it by making it nectar. He did not rub that knowledge. He did not do the hard work of rubbing [the knowledge] that should be done. This is why it has been said in the murli, now Gita will not be called the nectar of the knowledge of the Gita. It is indeed the knowledge of the Gita, but it is not the nectar. When does it become the nectar? [It becomes the nectar] when it is churned. So, Shiva narrated the vani through the mouth of Brahma Baba after entering him; Brahma Baba heard it through his ears first of all. He listened to it and narrated it to others. So, the task of listening and narrating certainly took place, but what about the task of thinking and churning? (Students: it did not take place.) Will the blood be formed by churning or will the blood be formed without churning? (Student: through churning.) If someone keeps eating food, if he eats and gulps it down, if he eats and gulps it down, then will blood be formed? No. He will have to chew it.
A fourth student: The churning of ocean is famous, isn't it? That nectar emerged only when the ocean was churned.
Baba: The churning of ocean is very famous.

समयः 46.27-47.50

जिज्ञासुः जो ये चित्रकूट के घाट पर जो बोला गया ना... जैसे कोर्स में भी बताया गया कि चित्रकूट के घाट पर भई संतन की भीड़। इसको थोड़ा सा क्लीयर करना है।
बाबाः चित्रकूट। कूट माने ऊँची स्टेज। पहाड़ माने? चित्रकूट एक पहाड़ का नाम है। वो पहाड़ ऐसा है जो मध्य भारत की ओर है। क्या? उस पहाड़ पर भक्तिमार्ग में तुलसीदास ने रामायण लिखी। वहाँ सब साधु-संत-महात्माएं इकट्ठे हो गए। शूटिंग कहाँ हो रही है? ऊँची स्टेज में अभी मंथन हो रहा है। ब्राह्मण बच्चे ऊँची स्टेज में अभी मंथन कर रहे हैं। जो मंथन करने वाले हैं उनकी बुद्धि में बैठता है- हाँ, ये बात तो सही है। मंथन करके बताते हैं कि ये बात हमारी बुद्धि में भी पहले आती थी। लेकिन हम उसको बोलते थे तो बहनजी हमको दबा देती थी। अभी तो बिल्कुल पक्की बात हो गई कि यही बात सत्य है। तो ये चित्रकूट के घाट पे भई संतन की भीड़। अभी संगमयुग में प्रैक्टिकल में भीड़ हो रही है।
जिज्ञासुः और तुलसीदास चंदन घिसे... वो?
बाबाः तुलसीदास कोई दूसरी आत्मा थोड़े ही है। राम वाली आत्मा ही तुलसीदास है। वो ही ज्ञान का चंदन घिसती है। और शिवबाबा आ करके विश्व की बादशाही का तिलक देते हैं।

Time: 46.27-47.50
Student: It has been said about the river bank of Chitrakoot, isn't it? It was said in the course as well: *Chitrakoot ke ghaat par bhayi santan ki bheer*[4]. Please clarify it a little.
Baba: Chitrakoot. *Koot* means a high *stage*. What is meant by a mountain? *Chitrakoot* is the name of a mountain. That mountain is situated in central India. What? It is the mountain where Tulsidas wrote the Ramayana in the path of *bhakti*. All the sages, saints and *mahaatmaas* (great souls) gathered there. Where is the *shooting* taking place? Now the churning is taking place in a

[4] there was a crowd of saints in the river bank of Chitrakoot

high *stage*. Brahmin children are churning [the knowledge] in a high *stage* now. Those who churn; it sits in their intellect that this topic is certainly correct. They churn and say that this topic used to come to come in their intellect too previously. But when they used to tell it to the [BK] sister, she used to suppress them. Now it has become totally firm that this very thing is true. So, as regards, *Chitrakoot ke ghaat par bhai santan ki bheer* the crowd is gathering now in the Confluence Age in practice.

Student: And what about '*Tulsidas candan ghise*' (Tulsidas rubs sandalwood)?

Baba: Tulsidas is not some other soul. The soul of Ram himself is Tulsidas. He himself rubs the sandalwood (*candan*) of knowledge and Shivbaba comes and applies him the vermillion mark (*tilak*) of the emperorship of the world. … (concluded.)

……

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.